RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 01
अंक:340
दि. 13.04.2026,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

सिंगर आशा भोसले का 92 साल की उम्र में निधन

● चेस्ट इंफेक्शन के बाद अस्पताल में भर्ती थीं, राजकीय सम्मान के साथ आज होगा अंतिम संस्कार होगा

मुबई ,एजेंसी। सिंगर आशा भोसले का 92 साल की उम्र में निधन हो गया है। रविवार दोपहर मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्हें शनिवार शाम को यहां भर्ती किया गया था।

ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल के डॉ. प्रतीत समदानी ने न्यूज एजेंसी PTI को बताया कि आशा भोसले को कई मेडिकल समस्याएं थीं और मल्टी-ऑर्गन फेल्योर के कारण उनका निधन हुआ।

डॉ. प्रतीत समदानी ने PTI को बताया कि आशा भोसले को मल्टी ऑर्गन फैल्योर हुआ, यानी उनके कई अंगों ने काम करना बंद कर दिया था। आशा भोसले के बेटे आनंद भोसले ने बताया कि जो लोग अंतिम दर्शन करना चाहते हैं, वे कल सुबह 11 बजे उनके घर आ सकते हैं। अंतिम संस्कार कल शाम 4 बजे शिवाजी पार्क में किया जाएगा।

12,000 से ज्यादा गाने गाए आशा भोसले ने अपने करियर में 14 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गाने गाए। उनके गाने 'इन आंखों की मस्ती', 'दम मारो दम', 'पिया तू अब तो आजा' और 'चुरा लिया है तुमने' आज भी सदाबहार हैं।

आशा भोसले मशहूर थिएटर एक्टर और क्लासिकल सिंगर दीनानाथ मंगेशकर की बेटी और लता मंगेशकर की छोटी बहन थीं।

पीएम मोदी ने बोले- आशा भोसले की आवाज हमेशा गूंजती रहेगी

नरेंद्र मोदी ने आशा भोसले के निधन पर कहा, 'भारत की सबसे प्रतिष्ठित और बहुमुखी आवाजों में से एक आशा भोसले जी के निधन से मैं बेहद दुखी हूं। उनका असाधारण संगीत सफर, जो दशकों तक चला, हमारी सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करता रहा और दुनिया भर के अनगिनत दिलों को छू गया। चाहे उनकी भावपूर्ण धुनें हों या जीवंत रचनाएं, उनकी आवाज में एक कालातीत चमक थी। मैं उनके साथ हुई मुलाकातों को हमेशा संजोकर रखूंगा। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार, प्रशंसकों और संगीत प्रेमियों के साथ हैं। वह आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी और उनके गीत हमेशा लोगों के जीवन में गूंजते रहेंगे।'

कैलाश खेर बोले- आशा जी हमेशा बेहद विनम्र और मिलनसार रहीं

सिंगर कैलाश खेर ने दैनिक भास्कर के साथ बातचीत में आशा भोसले के निधन पर दुख जताते हुए कहा, 'मैंने उनके साथ एक महीने का यूएस-कनाडा टूर किया, जो हमेशा याद रहेगा। इतनी सीनियर होने के बावजूद वह पूरे समय बेहद विनम्र और मिलनसार रहीं। उन्होंने कभी अपनी वरिष्ठता का घमंड नहीं किया। उनके साथ काम करना एक शानदार अनुभव रहा।'

सिलीगुड़ी में पीएम मोदी की हुंकार:

बोले: चार मई के बाद बनेगी भाजपा सरकार टीएमसी को देना होगा पाई-पाई का हिसाब

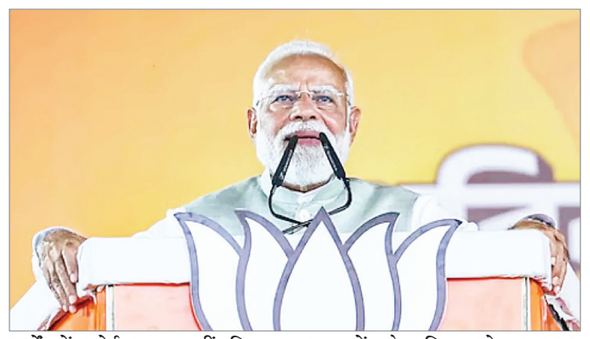

कोलकाता ,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सिलीगुड़ी में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस (TMC) सरकार पर तीखा हमला बोला। प्रधानमंत्री ने कहा कि दार्जिलिंग और सिलीगुड़ी के लोगों ने हमेशा उन्हें भरपूर प्यार दिया है और कल के रोड शो में उमड़ा जनसैलाब यह साफ करता है कि बंगाल अब परिवर्तन का मन बना चुका है। उन्होंने कहा कि इस बार बंगाल से टीएमसी का जाना तय है।प्रधानमंत्री ने कहा कि टीएमसी सरकार के 15 साल के शासन में बंगाल सिर्फ बर्बाद हुआ है। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि जो युवा आज पहली बार वोट देने जा रहे हैं, वे बंगाल का भविष्य तय करें। ये किसी के भी काम के मूल्यांकन का बहुत बड़ा समय है। पीएम ने आरोप लगाया कि टीएमसी ने 15

वर्षों में कोई काम नहीं किया, बल्कि सिर्फ काले कारनामे किए हैं। उन्होंने सिलीगुड़ी को नॉर्थ बंगाल का प्रवेश द्वार बताते हुए कहा कि टीएमसी ने जान-बूझकर यहां के इंफ्रास्ट्रक्चर, इंडस्ट्री और टूरिज्म को पीछे रखा। केंद्र सरकार ने जो पैसा भेजा, उसे सिंडिकेट वाले हजम कर गए।

पीएम मोदी ने टीएमसी पर तुष्टिकरण का आरोप लगाते हुए कहा कि इस निर्मम सरकार ने मदरसों के लिए तो 6,000 करोड़ रुपये का बजट दिया, लेकिन नॉर्थ बंगाल के विकास के लिए पर्याप्त पैसा नहीं दिया। उन्होंने कहा कि जब नॉर्थ बंगाल बारिश और तबाही से जूझ रहा था, तब टीएमसी सरकार कोलकाता में जश्न मना रही थी। पीएम ने टीएमसी को नॉर्थ बंगाल, आदिवासी, चाय-बागान, महिला और युवा विरोधी पार्टी बताया।

भागवत बोले : हिंदू समाज में एकता की कमी, ये बार-बार गुलामी की बड़ी वजह

हेडगेवार ने एकता और आजादी के लिए आरएसएस बनाया था

निजामाबाद,एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयं सेवक (RSS) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि केशव बलिराम हेडगेवार ने देश को विदेशी शासन से आजाद कराने और हिंदुओं के बीच फूट को खत्म करने के मकसद से ऋस्र्स की स्थापना की थी।

उन्होंने कहा कि हेडगेवार का मानना था कि समाज में एकता की कमी ही बार-बार गुलामी की बड़ी वजह रही। संघ प्रमुख ने कहा कि हेडगेवार ने ब्रिटिश शासन को खत्म करने के लिए राजनीतिक और हथियारबंद विरोध समेत कई रास्तों पर काम किया था।

भागवत ने कहा कि आजादी के लिए काम करते हुए हेडगेवार को यह एहसास हुआ कि अंग्रेज भारतीयों को गुलाम बनाने वाले पहले बाहरी शासक नहीं थे। उनके मुताबिक, समस्या सिर्फ बाहर से आने वाली ताकत नहीं थी, बल्कि समाज के भीतर भी एक कमी थी। भागवत शनिवार को तेलंगाना के निजामाबाद जिले के कंडाकुर्थी गांव में श्री केशव स्फूर्ति मंदिर के उद्घाटन के बाद बोल रहे थे। यह गांव हेडगेवार का पैतृक गांव है। उन्होंने कहा- हममें कोई कमी थी, जिसकी वजह से हमें बार-बार हार का सामना करना पड़ा। इसलिए उस कमी को दूर करना जरूरी था।

ईरान-अमेरिका की 21 घंटे चली बातचीत बेनतीजा:

अमेरिकी उपराष्ट्रपति बोले उन्हें फाइनल ऑफर दिया

ईरान बोला- ट्रम्प की शर्तें ज्यादा सख्त

इस्लामाबाद,एजेंसी। पाकिस्तान में ईरान और अमेरिका के बीच शांति को लेकर चल रही बातचीत बेनतीजा रही। यह 21 घंटे से ज्यादा समय तक चली। रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों के बीच होर्मुज स्ट्रेट खोलने और न्यूक्लियर प्रोग्राम पर पेंच फंसा है ।वेंस अपनी टीम के साथ अमेरिका के लिए रवाना हो गए हैं। लौटने से पहले उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि अमेरिका बिना डील के लौट रहा है। यह अमेरिका से ज्यादा ईरान के लिए बुरी खबर

है ।उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी समझौते के लिए जरूरी है कि ईरान ये वादा करे कि वह परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। अमेरिका की शर्तें स्पष्ट थीं, लेकिन ईरान ने उन्हें नहीं माना। वेंस ने यह भी कहा कि आगे समझौते की संभावना पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा, 'हम उन्हें फाइनल ऑफर देकर जा रहे हैं।

100 की स्पीड में बस ने पिकअप को उड़ाया, 13 मौतें

कटिहार में सड़क पर बिखरीं लाशें ; बाइक सवार को रौंदकर भाग रहा था बस ड्राइवर

कटिहार,एजेंसी। बिहार के कटिहार में शनिवार देर शाम बस और पिकअप की टक्कर में 13 लोगों की मौत हो गई। इसमें एक ही परिवार के 5 लोग शामिल हैं। मृतकों में 10 महिलाएं, 2 पुरुष और एक बच्ची है। इसमें 11 मृतक पूर्णिया जिले के रहने वाले थे, जबकि दो कटिहार के हैं। हादसे में 32 से ज्यादा घायल हैं।इनमें 8 की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसा कटिहार के कोढ़ा ब्लॉक में हा-31 पर हुआ। बस से टक्कर के बाद लोगों के शव सड़क पर बिखर गए। चश्मदीद ने बताया कि हादसे के वक्त ड्राइवर ने शराब पी रखी थी। गाड़ी की स्पीड भी 100 से ज्यादा थी। बस ड्राइवर ने पहले एक बाइक को उड़ाया इसके बाद पिकअप से टक्कर हुई। पिकअप सवार सभी झारखंड से मेला देखकर लौट रहे थे। हादसे के बाद ष्टरू ने मृतकों के परिवार को 2-2 लाख और घायलों को

50-50 हजार की मदद का ऐलान किया है। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया, 'शनिवार देर शाम हम कटिहार के आसपास थे। अचानक से तेज आवाज आई, जैसे बम फटा हो। कुछ भी समझ नहीं आया। सड़क पर लाशें बिछ गईं।हमारे पिकअप का ड्राइवर स्टीयरिंग में फंस गया। लोगों ने रॉड से स्टीयरिंग सीधी कर उसके शव को बाहर निकाला। बस की स्पीड 100 से ज्यादा थी।उसने पहले 2 बाइक सवारों को टक्कर मारी। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।इसके बाद अनियंत्रित होकर हमारी पिकअप से टकरा गया।

स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक इलाज के बाद गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए पूर्णिया जीएमसी रेफर किया गया, जहां कई की हालत नाजुक बनी हुई है।

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से, 57 दिन चलेगी

पहला जत्था 1 जुलाई को रवाना होगा, 15 अप्रैल से शुरू होंगे रजिस्ट्रेशन

श्रीनगर,एजेंसी। अमरनाथ यात्रा की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बताया कि इस साल 3 जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलेगी। 57 दिन चलने वाली इस यात्रा के लिए पहला जत्था 1 जुलाई को रवाना होगा। यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू होंगे। LG सिन्हा ने यात्रा की जानकारी देते हुए लोक भवन में मीडिया को बताया कि 13 से 70 साल की उम्र के तीर्थयात्री यात्रा कर सकते हैं। यात्रा अनंतनाग से पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे नुनवान-पहलगाम रूट और गांदरबल से 14 किमी लंबे बालटाल रूट से होगी।

देशभर में 556 बैंक ब्रांच से होगा ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन : LG सिन्हा ने बताया कि देशभर में लगभग 556 तय बैंक शाखाओं के जरिए यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है, जबकि श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन भी होगा।

अमरावती प्रोजेक्ट में पैसा बरसा:

विश्व बैंक ने जारी किए 340 मिलियन डॉलर, अप्रैल में और निवेश से बढ़ेगी रफ्तार

मुंबई , एजेंसी। आंध्र प्रदेश की राजधानी अमरावती के विकास कार्यों को अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से बड़ी आर्थिक सहायता मिल रही है। विश्व बैंक ने अब तक अमरावती कैपिटल फेज-1 के लिए 340 मिलियन अमेरिकी डॉलर जारी कर दिए हैं। वहीं, अप्रैल के अंत तक अतिरिक्त 130 से 150 मिलियन डॉलर मिलने की संभावना जताई जा रही है।

राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, यह फंडिंग विश्व बैंक और एशियन डेवलपमेंट बैंक (ADB) की संयुक्त योजना का हिस्सा है, जिसके तहत कुल 1,600 मिलियन डॉलर (800-800 मिलियन डॉलर प्रत्येक संस्था से) का निवेश किया जाना है।

ब्याज दर और फंडिंग मॉडल

अधिकारियों ने बताया कि इस ऋण पर लगभग 8 से 8.5 प्रतिशत ब्याज दर लागू होगी, जो अंतरराष्ट्रीय बाजार दरों के अनुसार बदलती रहेगी। विश्व बैंक के अनुसार, यह परियोजना 'परफॉर्मेंस बेस्ड फंडिंग मॉडल' पर आधारित है, जिसमें धनराशि तय मील के पत्थरों को हासिल करने के बाद जारी की जाती है, न कि तय समय सारणी के आधार पर।

डीजल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी 34 बढ़ी अब 55.5 प्रति लीटर टैक्स लगेगा

जेट फ्यूल का एक्सपोर्ट भी 42 महंगा; देश में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्र सरकार ने डीजल और एयर टर्बाइन फ्यूल (ATF) पर एक्सपोर्ट ड्यूटी यानी विंडफाल टैक्स बढ़ा दिया है। डीजल पर निर्यात शुल्क 34 प्रति लीटर बढ़ाकर 55.5 कर दिया गया है, जो पहले 21.5 था।

वहीं, ATF यानी जेट फ्यूल पर ड्यूटी 29.5 से बढ़ाकर 42 प्रति लीटर कर दी गई है। वित्त मंत्रालय ने शनिवार (11 अप्रैल) को नोटिफिकेशन जारी कर नई दरें तत्काल प्रभाव से लागू कर दी हैं।

वहीं, पेट्रोल पर एक्सपोर्ट ड्यूटी फिलहाल शून्य ही रहेगी। हाल ही में पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में जो 10- 10 की बड़ी कटौती की थी, उसका फायदा आम जनता को मिलता रहेगा।

घरेलू बाजार में फ्यूल की सप्लाई बढ़ाने फैसला लिया : सरकार ने ये फैसला देश में पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रखने के लिए लिया है।

फैमिली कोर्ट का आदेश:

पति हाई-प्रोफाइल लाइफ जीता है ; पत्नी को हर माह 2 लाख भरण-पोषण राशि दें

जयपुर,एजेंसी। जयपुर मेट्रो- प्रथम की फैमिली कोर्ट ने एक केस में पति की इनकम 22 लाख रुपए महीना मानते हुए पत्नी को उससे हर महीने 2 लाख रुपए भरण-पोषण भत्ता लेने का हकदार माना है। वहीं अप्रार्थी पति को निर्देश दिया कि वह प्रार्थिया को हर महीने की 10 तारीख तक भरण-पोषण राशि दें। राशि नहीं देने या देरी होने पर यह राशि 6 फीसदी ब्याज सहित दी जाएगी।

कोर्ट के जज पवन कुमार गर्ग ने यह आदेश प्रार्थिया पत्नी के प्रार्थना पत्र पर दिया। कोर्ट ने कहा कि पत्रावली पर साक्ष्य मौजूद है कि अप्रार्थी पति हाई-प्रोफाइल लाइफ जीता है और अपने निजी कामकाज के लिए पर्सनल सेक्रेटरी भी रखता है, विदेश भी घूमता है। ऐसे में प्रार्थिया को भी पति के समान ही जीवन स्तर मुहैया कराना चाहिए। कोई महिला नौकरी वाली है और उच्च शिक्षित है, उसके पास आय का साधन नहीं है तो भी वह पति से भरण-पोषण ले सकती है।

राजस्थान-म.प्र.-यूपी समेत 16 राज्यों में आज से बढ़ेगी गर्मी

मनाली में बर्फबारी, पारा माइनस 7 डिग्री पहुंचा; जम्मू में बवंडर उठा

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में गर्मी बढ़ रही है। मौसम विभाग के मुताबिक राजस्थान, यूपी-एमपी, दिल्ली, गुजरात समेत देश के 16 राज्यों में इस हफ्ते पारा 40डिग्री तक पहुंच सकता है। मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़, ओडिशा में 2 दिन बाद लू चलने की आशंका है।

हालांकि, रविवार को केरल, कर्नाटक, सिक्किम, बंगाल, जम्मू-कश्मीर, असम, मेघालय, अरुणाचल, मणिपुर मिजोरम, त्रिपुरा और नगालैंड में बारिश का अलर्ट है।

शनिवार शाम को अटल टनल और मनाली के आसपास के इलाकों में हल्की बर्फबारी हुई। शनिवार रात मनाली में

तापमान माइनस 7डिग्री तक गिर गया।

इधर, जम्मू के अखनूर एक बवंडर देखा गया। यह दुर्लभ घटना एक खुले मैदान में लगभग 10 मिनट तक चली। किसी तरह का कोई नुकसान नहीं हुआ है।

देश में करीब ढाई करोड़ यूट्यूब चैनल्स

सिर्फ 30 लाख ही प्रोफेशनल, कई गलत सलाह या कॉपी-पेस्ट वाला कंटेंट फैला रहे

नई दिल्ली,एजेंसी। देश में लगभग 2.5 करोड़ एक्टिव यूट्यूब चैनल्स में से महज 30 लाख ही प्रोफेशनल हैं, बाकी करोड़ों चैनलों में से कई बिना नियमन या कमाई के गलत सलाह या कॉपी-पेस्ट वाला कंटेंट फैला रहे हैं।इन्फ्लुएंसर ट्रस्ट रिपोर्ट के मुताबिक देश में यूट्यूब के हर महीने करीब 50 करोड़ एक्टिव यूजर्स है। अब यह सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक डॉक्टर, मैकेनिक, जिम ट्रेनर और कानूनी सलाहकार तक बन चुका

है।यदि इन चैनलों पर बताई गई किसी सलाह से किसी को नुकसान हो जाए तो न्याय पाने का रास्ता इतना पेचीदा है कि अपराधी साफ बच निकलता है। देश में हर 10 में से 7 लोग यूट्यूब की सलाह पर भरोसा करते हैं, जिनमें से 60% उसे बिना क्रॉस-चेक किए सही मान लेते हैं।

संपादकीय

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौताः क्यों रहा बेनतीजा?

क्षेत्रीय शांति की उम्मीदें तब और बढ़ जाती हैं जब कोई देश मध्यस्थ की भूमिका निभाने का दावा करता है। लेकिन जब वही प्रयास बार-बार विफलता में बदल जाए, तो यह केवल एक असफल कूटनीतिक पहल नहीं बल्कि व्यापक अविश्वास और जटिल राजनीतिक समीकरणों का संकेत बन जाता है। पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुए हालिया शांति समझौते का बेनतीजा रहना इसी सच्चाई को उजागर करता है।

सबसे पहले, किसी भी शांति प्रक्रिया की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि मध्यस्थ पक्ष कितना निष्पक्ष और विश्वसनीय है। पाकिस्तान की भूमिका को लेकर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। जिस देश पर खुद क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ावा देने के आरोप लगते रहे हों, उसके लिए एक भरोसेमंद मध्यस्थ की छवि बनाना आसान नहीं है। ऐसे में, संबंधित पक्षों के बीच विश्वास की कमी शुरू से ही समझौते की नींव को कमजोर कर देती है।

दूसरा महत्वपूर्ण पहलू है–हितों का टकराव। शांति वार्ता में शामिल पक्षों के अपने-अपने रणनीतिक और राजनीतिक हित होते हैं। जब इन हितों में संतुलन नहीं बैठ पाता, तो समझौते केवल कागज़ी बनकर रह जाते हैं। पाकिस्तान की मध्यस्थता में भी यही देखने को मिला, जहां विभिन्न पक्षों के बीच सहमति के बजाय मतभेद अधिक गहरे होते गए।

तीसरा कारण है जमीनी स्तर पर ईमानदारी की कमी। अक्सर समझौते तो उच्च स्तर पर हो जाते हैं, लेकिन उनका पालन निचले स्तर पर नहीं होता। जब तक संबंधित पक्ष अपनी प्रतिबद्धताओं को वास्तविकता में नहीं उतारते, तब तक किसी भी शांति पहल का सफल होना मुश्किल है।

इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय राजनीति का प्रभाव भी ऐसे प्रयासों को प्रभावित करता है। वैश्विक शक्तियों के हित और उनका हस्तक्षेप कई बार शांति प्रक्रिया को जटिल बना देते हैं। पाकिस्तान की मध्यस्थता भी इन व्यापक भू-राजनीतिक समीकरणों से अछूती नहीं रही।

अंततः, यह स्पष्ट है कि केवल मध्यस्थता का दावा कर लेने से शांति स्थापित नहीं होती। इसके लिए पारदर्शिता, निष्पक्षता और सभी पक्षों की वास्तविक प्रतिबद्धता आवश्यक होती है। पाकिस्तान के प्रयासों की विफलता यह संकेत देती है कि क्षेत्र में स्थायी शांति के लिए नए दृष्टिकोण और अधिक विश्वसनीय मध्यस्थों की आवश्यकता है।

शांति केवल समझौतों से नहीं, बल्कि विश्वास और ईमानदारी से बनती है–और यही इस असफल प्रयास का सबसे बड़ा सबक है।

ईरान-अमेरिका-पाकिस्तान त्रिकोणीय कूटनीति

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

इस्लामाबाद वार्ता -शांति की मेज या रणनीतिक शतरंज क्षेत्रीय तनाव और वैश्विक शक्ति- संतुलन का जटिल समीकरण- तीनों देशों के हित और प्राथमिकताएं अलग- अलग- पाकिस्तान के लिए अवसर- अमेरिका के लिए रणनीतिक संतुलन और ईरान के लिए अस्तित्व और सम्मान का सवाल ईरान की शर्तें स्पष्ट हैं पूर्ण युद्धविराम,अनफ्रीज एसेट्स नुकसान की भरपाई और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही, यदि ये शर्तें पूरी नहीं होतीं,तो वार्ता के टूटने की संभावना बनी रहेगी वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया में हालिया 14 दिन के युद्धविराम के बाद दुनियाँ की नजरें अब पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पर टिक गई हैं, जहां ईरान और अमेरिका के बीच 11 अप्रैल 2026 पर टिक गई है जहाँ उच्च स्तरीय वार्ता चल रही है। यह वार्ता केवल एक कूटनीतिक प्रक्रिया नहीं,बल्कि वैश्विक शक्ति- संतुलन,ऊर्जा सुरक्षा,क्षेत्रीय स्थिरता और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन चुकी है।खास बात यह है कि पाकिस्तान इस पूरी प्रक्रिया में एक मध्यस्थ और मेजबान की भूमिका निभा रहा है,जो अपने आप में एक महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक संकेत है। यह वार्ता फिलहाल द्विपक्षीय (बाइलेटरल) स्तरपर चल रही है,लेकिन संभावनाएं इस बात की हैं कि यह आगे चलकर त्रिपक्षीय (ट्राइलेटरल) रूप ले सकती है, जो वैश्विक कूटनीति में एक नया अध्याय जोड़ सकता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि इस वार्ता की मेजबानी कर रहे शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख असीम मुनीर की उपस्थिति यह दर्शाती है कि पाकिस्तान इस अवसर को अपनी कूटनीतिक साख बढ़ाने के रूप में देख रहा है। विदेश मंत्री इशाक डार और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोहम्मद असीम मलिक भी इस वार्ता में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। पाकिस्तान की कोशिश है कि वह खुद को एक जिम्मेदार मध्यस्थ के रूप में स्थापित करे,जैसा कि अतीत में कतर या नॉर्वे ने किया था,हालांकि यह भूमिका जोखिम से खाली नहीं है, क्योंकि किसी भी विफलता का असर उसकी अंतरराष्ट्रीय छवि पर पड़ सकता है।

साथियों बात अगर हम वार्ता का प्रारूपः बाइलेटरल से ट्राइलेटरल की ओर? इसको समझने की करें तो फिलहाल बातचीत अलग-अलग चैनलों के जरिए हो रही है, पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के साथ अलग-अलग संवाद कर रहा है।यह शटल डिप्लोमेसी का एक क्लासिक उदाहरण है।अगर दोनों पक्षों की प्रमुख मांगें पूरी हो जाती हैं, तो यह वार्ता त्रिपक्षीय रूप ले सकती है। लेकिन यह प्रक्रिया बेहद जटिल है, क्योंकि तीनों देशों के हित और प्राथमिकताएं अलग-अलग हैं।पाकिस्तान के लिए यह अवसर है,अमेरिका के लिए रणनीतिक संतुलन और ईरान के लिए अस्तित्व और सम्मान का सवाल।

साथियों बात अगर हम ईरान की प्रमुख मांगेंः आर्थिक राहत और सुरक्षा गारंटी को समझने की करें तो ईरान की सबसे बड़ी मांग उसके फ्रीज किए गए एसेट्स को अनफ्रीज करना है। यह मुद्दा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक भी है। ईरान का मानना है कि उस पर लगाए गए प्रतिबंध अन्यायपूर्ण हैं और उन्हें हटाया जाना चाहिए। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इस पर स्पष्ट संकेत दिया है कि फिलहाल ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया गया है।इसके अलावा ईरान ने लेबनान में सीजफायर को भी वार्ता का हिस्सा बताया है, जो इस बात का संकेत है कि वह इस बातचीत को क्षेत्रीय संदर्भ में देख रहा है, न कि केवल द्विपक्षीय मुद्दे के रूप में हैं

ईरान इस वार्ता में पूरी तरह बिना भरोसे के प्रवेश कर रहा है। इसका कारण है अतीत में अमेरिका द्वारा किए गए वादों का टूटना,विशेषकर ईरान परमाणु समझौता 2015 से अमेरिका का बाहर निकलना। यह अविश्वास वार्ता को जटिल बनाता है, क्योंकि किसी भी समझौते के लिए विश्वास का होना अनिवार्य है। ईरान की शर्तें स्पष्ट हैं पूर्ण युद्धविराम,नुकसान की भरपाई और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही। यदि ये शर्तें पूरी नहीं होतीं, तो वार्ता के टूटने की संभावना बनी रहेगी।

साथियों बात अगर हमअमेरिका का दृष्टिकोणः रणनीतिक नियंत्रण और संतुलन को समझने की करें तोअमेरिका की प्राथमिकता है कि ईरान एक क्षेत्रीय महाशक्ति के रूप में उभर न सके। इसके लिए वह आर्थिक प्रतिबंध, कूटनीतिक दबाव और सैन्य उपस्थिति का उपयोग करता रहा है। जेडी वेंस की इस्लामाबाद यात्रा और उनकी चेतावनी इस बात का संकेत है कि अमेरिका इस वार्ता को केवल शांति प्रक्रिया नहीं, बल्कि रणनीतिक उपकरण के रूप में देख रहा है। अमेरिका के लिए यह भी महत्वपूर्ण है कि इज़राइल की सुरक्षा सुनिश्चित रहे, जो उसका प्रमुख सहयोगी है। इस्लामाबाद में हो रही बातचीत से इज़राइल लेबनान संघर्षः वार्ता पर संकट छाने की उम्मीद बढ़ गई है, इस पूरे परिदृश्य में इज़राइल और लेबनान के बीच जारी संघर्ष एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। ईरान ने स्पष्ट किया है कि लेबनान में हमले रुकने चाहिए, जबकि इज़राइल ने अपने ऑपरेशन जारी रखे हैं।इस संघर्ष में एक ही दिन में सैकड़ों लोगों की मौत की खबरें आई हैं, जो स्थिति की गंभीरता को दर्शाती हैं। यह संघर्ष न केवल मानवीय संकट पैदा कर रहा है, बल्कि शांति वार्ता को भी प्रभावित कर रहा है।

साथियों बात अगर हम दिनांक 11 अप्रैल 2026 को इस्लामाबाद में ईरान-अमेरिका संभावित स्थाई शांति संबंधी हो रही बैठक की करें तो आगे की बातचीत क़े लिए ट्रंप ने सस्पेंस बरकरार रखा है,उन्होंने पिछ्ली अमेरिकी सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि वे लोग 47 साल से सिर्फ बातें ही कर रहे थे,उन्होंने दो टूक लहजे में कहा कि कल की मीटिंग ही यह तय करेगी कि आगे क्या होगा. ट्रंप ने यह साफ नहीं किया कि यह आखिरी मुलाकात होगी या आगे भी दौर चलेगा, बस इतना कहा कि हमें देखना होगा कि कल क्या नतीजा निकलता है, इस्लामाबाद वार्ता से ठीक पहले ईरान के उपराष्ट्रपति ने अमेरिका को बेहद सख्त और सीधा संदेश भेजा है. ईरान ने साफ कर दिया है कि अगर वे अमेरिका फर्स्ट के प्रतिनिधियों से बात कर रहे हैं, तो एक ऐसी डील मुमकिन है जो दोनों देशों और दुनियाँ के लिए फायदेमंद हो लेकिन,अगर अमेरिका इजरायल फर्स्ट की सोच के साथ मेज पर आता है,तो कोई समझौता नहीं होगा. ईरान ने चेतावनी दी है कि ऐसी स्थिति में वे पहले से कहीं ज्यादा मजबूती के साथ अपनी रक्षा जारी रखेंगे,जिसका खामियाजा पूरी दुनियाँ को भुगतना होगा पूरा विश्व उम्मीद कर रहा है कि इस्लामाबाद में हो रही ईरान अमेरिका की बैठक सफल हो ताकि पूरे विश्व के शेयर बाजारों और नागरिकों को वित्तीय क्राइसिस से सटिका से बचाए जा सके।

साथियों बात अगर हम आने वाले 14 दिन और इस्लामाबाद में 11 अप्रैल 2026 को हुई बैठकःनिर्णायक मोड़ साबित होगी इसको समझनें की करें तो,सीज़फायर केवल 14 दिनों का है,और यही अवधि वैश्विक बाजारों की दिशा तय करेगी।(1)संभावित परिदृश्यः(अ)यदि शांति बनी रहती है,तेल कीमतें स्थिर रहेंगी,बाजार में और तेजी आएगी(ब)यदि तनाव फिर बढ़ता हैः तेल कीमतों में उछाल, बाजार में गिरावट (2)मध्य मार्गः अस्थिरता बनी रहेगी, निवेशक सतर्क रहेंगे,इसलिए संभवतः अनिश्चितता के बीच अवसर अप्रैल 2026 का यह सप्ताह यह दर्शाता है कि वैश्विक बाजार कितने संवेदनशील और गतिशील हैं। ईरान-अमेरिका सीज़फायर ने यह साबित किया कि एक सकारात्मक भू- राजनीतिक घटनाक्रम किस प्रकार पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है।भारत के संदर्भ में, यह सप्ताह एक सकारात्मक संकेत लेकर आया है मजबूत घरेलू मांग, निवेशकों का बढ़ता विश्वास, और वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद स्थिरता की ओर बढ़ता बाजार।हालांकि, अनिश्चितता अभी भी बनी हुई है। आने वाले 14 दिन न केवल पश्चिम एशिया की राजनीति, बल्कि वैश्विक आर्थिक दिशा भी तय करेंगे।

साथियों बातें कर हम ऊर्जा संकट और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर को समझने की करें तो स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में शिपिंग बाधित होने से वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित हुई है। यह मार्ग दुनियाँ के लगभग 20 प्रतिशत तेल व्यापार का केंद्र है। इसके बंद होने या बाधित होने से तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव आया है। पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों में वृद्धि ने आम जनता और उद्योगों दोनों को प्रभावित किया है। जापान द्वारा अतिरिक्त तेल रिलीज करना इस संकट की गंभीरता को दर्शाता है।इस वार्ता का असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं है। रूस को तेल बाजार में छूट मिलने की संभावना, डोनाल्ड ट्रंप के बयान और इमैनुएल मैक्रों द्वारा जी 7 चर्चा का प्रस्ताव ये सभी संकेत हैं कि यह मुद्दा वैश्विक राजनीति के केंद्र में है।यह वार्ता एक ग्लोबल रीसेट' की संभावना भी पैदा कर सकती है,जहां नई शक्ति संरचनाएं स्पष्ट रूप से उभर सकती हैं।

साथियों बात अगर हम ईरान का सख्त संदेशःअमेरिका फर्स्ट बनाम इज़राइल फर्स्ट इसको समझने की करें तो ईरान के उपराष्ट्रपति मोहम्मद रजा आरिफ ने स्पष्ट किया है कि अगर अमेरिका अमेरिका फर्स्ट दृष्टिकोण से आता है, तो समझौता संभव है, लेकिन इज़राइल फर्स्ट नीति के साथ कोई डील नहीं होगी। यह बयान इस बात का संकेत है कि ईरान अपनी संप्रभुता और रणनीतिक स्वतंत्रता से समझौता नहीं करेगा।ईरान के लिए हिज़्बुल्लाह हमास और हूती जैसे सहयोगी केवल सैन्य साधन नहीं,बल्कि उसकी क्षेत्रीय नीति का हिस्सा हैं।यदि वह इनका समर्थन छोड़ता है,तो उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठेगा। वहीं इज़राइल के लिए यह अस्तित्व का प्रश्न है। यही वह 'डेडलॉक' है जो वार्ता को जटिल बनाता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि शांति, रणनीति और अनिश्चित भविष्य इस्लामाबाद में चल रही यह वार्ता एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी है। यह शांति की दिशा में एक बड़ा कदम भी हो सकती है और केवल एक रणनीतिक विराम भी। पाकिस्तान की मध्यस्थता, ईरान की शर्तें, अमेरिका की रणनीति और इज़राइल का रुख इन सभी के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं है। आने वाले दिनों में यह स्पष्ट होगा कि यह वार्ता स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त करती है या केवल एक अस्थायी राहत बनकर रह जाती है।यह कहना गलत नहीं होगा कि यह केवल तीन देशों की बातचीत नहीं, बल्कि 21वीं सदी के वैश्विक शक्ति-संतुलन की परीक्षा है, जहां हर निर्णय का असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा।

आज का इतिहास

1919 - जालियाँवाला बाग़ हत्याकांड। अँग्रेज़ और गोरखा सैनिकों द्वारा निहत्थी भीड़ पर की गई अंधाधुंध गोलीबारी में चार सौ लोग मारे गए।

पेरिस में शान्ति सम्मेलन का उद्घाटन;

बेनिटो मुसोलिनी द्वारा इटैलियन फ़ासिस्ट पार्टी की स्थापना।

1994 - नई दिल्ली में एस्केप का स्वर्ण जयंती सत्र सम्पन्न, विश्व भर के बच्चों के शोषण से संघर्ष हेतु 112 नोबेल पुरस्कार विजेताओं द्वारा 'चाइल्ड राइट वर्ल्डसाइट' संगठन का गठन।

2001 - विमान चालकों के लौटने के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका का चीन के प्रति रुख़ सख़्त।

2002 - शांति के प्रति एलटीटीई प्रमुख वी. प्रभाकरण की प्रतिबद्धता का संयुक्त राज्य अमेरिका ने स्वागत किया।

2003 - एल.टी.टी.ई. ने टोकियो सहायता सम्मेलन का बहिष्कार किया।

2004 - एन्टीगुआ में ब्रायन लारा ने इंग्लैंड के विरुद्ध खेलते हुए 400 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली।

2005 - विश्वनाथन आनन्द चौथी बार 'विश्व शतरंज चैम्पियन' बने।

2007 - भारत-रूस कूटनीतिक सम्बन्ध के 60 वर्ष पूरे हुए।

2008 -

उत्तर प्रदेश के नगर निगम के 18 हज़ार कर्मचारियों के लिए 50% मंहगाई भत्ते को वेतन में विलय करने को फ़ैसला किया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने मंत्रिमण्डल का विस्तार किया।

चीन के लिपोनिंग प्रान्त के हुलुदाओ शहर में एक कोयले की खान में हुए विस्फोट में 14 खदान कर्मियों की मौत।

2010 -

दुनिया के लगभग 50 देशों ने अगले चार सालों में संवेदनशील परमाणु सामग्री को पूरी तरह सुरक्षित बनाने के लक्ष्य का संकल्प लिया। रूस और अमेरिका ने 68 टन प्लूटोनियम को नष्ट करने के समझौते पर हस्ताक्षर किया।

गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग ने कंप्यूटर पर हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए इससे जुड़ी सभी समस्याओं का हल एक जगह उपलब्ध करवा दिया है।

दांपत्य जीवन में बढ़ रही है तकरार कमजोर पड़ रहे सात जन्मों के रिश्ते

मनोज कुमार अग्रवाल

अब भारतीय समाज में दांपत्य जीवन असुरक्षित हो चला है। पति पत्नी के बीच विश्वास प्रेम और सात जन्मों तक साथ निभाने के वादे कमजोर पड़ रहे हैं। आए दिन पति पत्नी एक दूसरे के खून से हाथ रंग रहे हैं। आपको इसी सप्ताह की दो वारदातों के मार्फत पति-पत्नी के बीच हिंसक वारदातों से अवगत कराने का प्रयास करते हैं

पहली वारदात जयपुर में सामने आइ है बैंक मैनेजर पति से मिलने के लिए अर्चना अक्सर टैक्सी से जयपुर जाया करती थी, लेकिन यही सफर उसकी जिंदगी बदल गया. टैक्सी ड्राइवर से बातचीत धीरे-धीरे प्यार में बदल गई. एक दिन पति उसी ड्राइवर की गाड़ी में था, जब उसने दोनों की बातचीत सुन ली. जिसमें उसे रास्ते से हटाने की बात हो रही थी. यहीं से खुला पूरा मामला और पुलिस तक पहुंची कहानी. अलवर की यह कहानी किसी फिल्मी स्क्रिप्ट से कम नहीं है. एक सामान्य टैक्सी का सफर, ड्राइवर से कुछ बातचीत, फिर बढ़ती नजदीकियां. इस बाद पूरा मामला दोनों की गिरफ्तारी तक पहुंच जाता है. कहानी की शुरुआत होती है अर्चना अरोड़ा से, जो एक बैंक मैनेजर कर्णव खत्री की पत्नी है. पति जयपुर में नौकरी करता था, इसलिए अर्चना का वहां आना-जाना लगा रहता था. सफर के लिए टैक्सी लेना रोजमर्रा की बात थी लेकिन एक दिन यही सफर उसकी जिंदगी का मोड़ बन गया.

सफर के दौरान उसकी मुलाकात हुई टैक्सी ड्राइवर ऋषभ शर्मा से. शुरुआत में कितनी दूरी है, कितना समय लगेगा जैसी बात होती थी, लेकिन धीरे-धीरे बातचीत का दायरा बढ़ता गया. फोन नंबर शेयर हुए, फिर कॉल्स शुरू हुईं और देखते ही देखते यह रिश्ता एक अलग दिशा में बढ़ गया. अब हालात ये थे कि दोनों के बीच बातचीत सिर्फ कभी-कभार नहीं, बल्कि रोज की आदत बन चुकी थी. घंटों फोन पर बात होती और धीरे-धीरे यह रिश्ता इतना गहरा हो गया कि दोनों ने एक-दूसरे के बिना सोचना भी मुश्किल कर दिया.

एक दिन कर्णव खत्री (अर्चना के पति) जयपुर से अलवर लौट रहे थे. संयोग से टैक्सी वही थी और ड्राइवर भी वही ऋषभ था. कर्णव पीछे की सीट पर बैठे और कुछ देर बाद सो गए. ऋषभ को लगा कि वह गहरी नींद में हैं. उसने तुरंत फोन मिलाया अर्चना को. फोन पर बातचीत शुरू हुई और जो बातें हुईं, उन्होंने इस कहानी को पूरी तरह बदल दिया. ऋषभ ने कहा कि तुम्हारा पति मेरे साथ ही गाड़ी में है... अगर कहो तो आज ही इसे रास्ते से हटा दूं. पीछे की सीट पर लेटे कर्णव की आंखें खुल चुकी थीं.उन्होंने बिना कुछ बोले पूरी बातचीत अपने फोन में रिकॉर्ड कर ली.

एक रिकॉर्डिंग ने कर्णव के शक को यकीन में बदल दिया. उन्होंने चुपचाप और सबूत जुटाने शुरू किए. कॉल डिटेल, बातचीत, फोन रिकॉर्डिंग सब कुछ धीरे-धीरे सामने आने लगा. अब साफ हो चुका था कि यह सिर्फ जान-पहचान नहीं, बल्कि गहरा रिश्ता है. जब कर्णव ने अर्चना से इस बारे में बात की, तो मामला संभलने के बजाय और बिगड़ गया. बातचीत बहस में बदली और बहस विवाद में. रिश्ता अब उस मोड़ पर पहुंच चुका था, जहां से लौटना आसान नहीं था. कुछ समय बाद मामला तलाक तक पहुंच गया. इसी बीच अर्चना की तरफ से 50 लाख रुपये की मांग की बात सामने आई. कर्णव ने इनकार किया, तो दोनों के बीच तनाव और बढ़ गया.

एक दिन अचानक अर्चना घर छोड़कर चली गई. पुलिस के मुताबिक, वह अपने साथ नकदी और जेवरात भी ले गई और बाद में अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई. घर, परिवार, बच्चे सब पीछे छूट गया. मार्च 2026 में कर्णव ने आखिरकार पुलिस का दरवाजा खटखटाया. शिकायत दर्ज हुई, जांच शुरू हुई, लेकिन दोनों का कोई सुराग नहीं मिला. करीब एक महीने बाद अचानक अर्चना और ऋषभ खुद ही अलवर के एसपी ऑफिस पहुंच गए. जैसे ही पुलिस को जानकारी मिली, दोनों को वहीं से गिरफ्तार कर लिया गया. अदालत में पेशी हुई महिला को जेल भेजा गया और आरोपी को रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू हुई. पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले में कई पहलुओं की जांच की जा रही है. रिकॉर्डिंग और अन्य सबूतों के आधार पर आगे की कार्रवाई तय की जाएगी.

दूसरी वारदात मध्य प्रदेश के धार जिले से सामने आया है। यह मामला जितना सनसनीखेज है, उतना ही चौंकाने वाला भी. यहां एक पत्नी ने पहले तो अपने पति की हत्या की साजिश रची, फिर उसी हत्या को छुपाने के लिए ऐसा नाटक किया कि शुरुआती दौर में हर किसी को उस पर भरोसा हो गया. रो-रोकर उसने ऐसी कहानी सुनाई कि लगा जैसे वह खुद किसी भयावह हादसे की शिकार है. लेकिन जैसे-जैसे पुलिस ने परतें खोलीं, सच्चाई बिल्कुल उलट निकली और वही पत्नी इस पूरे हत्याकांड की मास्टरमाइंड निकली.शुरुआती जानकारी के मुताबिक, रात के समय कुछ अज्ञात बदमाश घर में घुसे, देवकृष्ण पर धारदार हथियार से हमला किया, और उनकी पत्नी प्रियंका को बंधक बनाकर लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया. घटना के बाद प्रियंका का रो-रोकर दिया गया बयान पूरे गांव में चर्चा का विषय बन गया था. वह बार-बार यही कह रही थी कि बदमाश अचानक घर में घुस आए, उन्होंने पति पर हमला किया और उसे एक कमरे में बांध दिया. उसके आंसू, उसकी घबराहट और उसकी टूटी हुई आवाज सब कुछ इतना वास्तविक लग रहा था कि किसी को उस पर शक नहीं हुआ. लेकिन पुलिस की नजरों से यह कहानी ज्यादा देर तक बच नहीं सकी.जांच में सामने आया कि प्रियंका का अपने ही गांव के कमलेश नाम के युवक के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था. यह संबंध कोई नया नहीं था, बल्कि पिछले कई वर्षों से दोनों एक-दूसरे के संपर्क में थे. इसी रिश्ते के चलते पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था. परिवार वालों के मुताबिक, प्रियंका कई बार अपने मायके चली जाती थी और लंबे समय तक वहीं रहती थी. इस पूरे मामले में एक और चौंकाने वाला पहलू सामने आया वो है बाल विवाह. पुलिस के अनुसार, प्रियंका और देवकृष्ण की शादी तब हुई थी जब दोनों नाबालिग थे. शादी के बाद वे अलग-अलग अपने परिवारों के साथ रहते रहे. जब प्रियंका बालिग हुई और उसे पति के साथ रहने के लिए कहा गया, तो वह इसके लिए तैयार नहीं थी. यही असहमति धीरे-धीरे एक खतरनाक साजिश में बदल गई प्रियंका ने अपने प्रेमी के साथ लूट का नाटक कर पति को रास्ते से हटाने की योजना बना ली।

पुलिस ने महज 36 घंटे के भीतर इस पूरे मामले का खुलासा कर दिया. मयंक अवस्थी (एसपी) के नेतृत्व में टीम ने न सिर्फ प्रियंका और कमलेश को गिरफ्तार किया, बल्कि लूट का सामान भी बरामद कर लिया और हैरानी की बात यह रही कि वह सामान खुद प्रियंका के घर से ही मिला. फिलहाल इस मामले में तीसरे आरोपी सुरेंद्र की तलाश जारी है, जिसे इस हत्या को अंजाम देने के लिए सुपारी दी गई थी. इस खुलासे के बाद मृतक के परिवार में गुस्सा और दुख दोनों साफ दिखाई दे रहा है. देवकृष्ण की मां और बहन ने प्रियंका पर गंभीर आरोप लगाए हैं. उनका कहना है कि प्रियंका का व्यवहार शुरू से ही ठीक नहीं था. वह अक्सर विवाद करती थी और अपने पति को अपमानित करती थी. मृतक की बहन ने बताया कि प्रियंका अक्सर कहती थी कि 'तुम मुझे डिजर्व नहीं करते, तुम मेरे लायक नहीं हो.' परिवार का यह भी आरोप है कि प्रियंका का कमलेश के साथ संबंध 2020 से चल रहा था और गांव में भी इस बात की चर्चा थी. कई बार कमलेश गांव आता था और घर के आसपास मंडराता दिखाई देता था.मृतक की मां का कहना है कि उनकी बहू हमेशा झगड़ा करती थी और घर का माहौल खराब रखती थी. उन्होंने यहां तक कहा कि प्रियंका को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो.

जाहिर है कि आप पति या पत्नी पर आंख मूंद कर विश्वास करेंगे तो परिणाम अप्रिय हो सकता है। कुछ और वारदातों से समझने का प्रयास करते हैं 12 जनवरी को यूपी के हरदोई में एक पति ने पुलिस स्टेशन में अपनी पत्नी को गोली मारकर हत्या कर दी। महिला 5 दिन पहले अपने प्रेमी के साथ भाग गई थी। पुलिस ने रविवार को उसे उसके प्रेमी के साथ पकड़ा और थाने ले आई, फिर फोन पर उसके पति को जानकारी दी।जब महिला मेस से खाना खाकर बाहर निकली, तो उसका पति आ गया। अचानक उसने अपनी कमर से पिस्तौल निकाली और अपनी पत्नी के दाहिने कंधे पर गोली मार दी। गोली उसके सीने से पार हो गई। वह खून से लथपथ होकर गिर पड़ी।

8 फरवरी को ग्वालियर के थाटीपुर थाना क्षेत्र में मामूली घरेलू विवाद के बाद पति ने अवैध हथियार से पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी. देर रात हुई वारदात से इलाके में दहशत फैल गई. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। दरअसल सोशल मीडिया ओटीटी प्लेटफार्म पर परोसी जा रही अनैतिकता ने सबसे ज्यादा दांपत्य जीवन को प्रभावित किया है इंदौर का राजा रघुवंशी हत्याकांड हो या मेरठ का नीला ड्राम वाला सौरभ का कत्ल कथित आधुनिक युवतियों के चरित्र को बयान करते हैं अब अखबारों में प्रेमी के सहयोग से पति की हत्या की खबरों की भरमार है वहीं लिवइन रिलेशन शिप लवजेहाद और विवाहेत्तर संबंध परस्पर एक दूसरे की जान के ग्राहक बन गए हैं। यह एक पतन की ओर बढ़ रहे समाज का हवाला दे रहा है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 38 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

आज का राशिफल

मेष : व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। घर में शुभ समाचारों का संचार होगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-9

वृष : बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति साथ रहेंगी। शुभांक-2-7-9

मिथुन : अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-3-7-8

कर्क : राजकीय कार्यों से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। कामकाज की अधिकता रहेगी। शुभांक-4-8-9

सिंह : शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-9

कन्या : मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-5-9

तुला : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढने के आसार है। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-7-9

वृश्चिक : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-7-8

धनु : आय के योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। आत्मङ्क्षचतन करे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-6-9

मकर : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। नये व्यावसायिक अनुबन्ध होंगे। 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-4-6-8

कुम्भ : जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-1-3-7

मीन : लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मुलाकात होगी। शुभांक-1-5-9

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR
Rage.Office: TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005 Gujarat,India. Phone : (O) 9016333307(M)9328333307,9825333307
Email : garvigujarat2007@gmail.com*garvigujarat2007@yahoo.com*Website : www.garvigujarat.co.in

यूपी पुलिस को मिलेंगी 491 महिला आरक्षी, कमिश्नरेट में 20 अप्रैल को पासिंग आउट परेड

वाराणसी, एजेंसी। 9 महीने की ट्रेनिंग में इनडोर और आउटडोर प्रशिक्षण दिया गया है। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने बताया कि प्रशिक्षु महिला आरक्षियों को फिजिकल ट्रेनिंग के साथ ही पुलिसिंग के सभी गुण सिखाए गए हैं।इसमें सोशल पुलिसिंग, आधुनिक तकनीक से अपराधों के रोकथाम, हथियार संचालन, सीसीटीएनएस, साइबर क्राइम, फॉरेंसिक साइंस, फॉरेंसिक मेडिसिन, भारतीय पुलिस का इतिहास यूपी के संदर्भ के साथ ही पुलिस संगठन, अंतर विभागीय समन्वय, पुलिस कार्यप्रणाली और अनुशासन के बारे में बताया गया है।इसके अलावा आरक्षियों को श्रमदान, योगासन, खेल, वर्दी पहनने, पदवार अधिकारियों की वर्दी पहचानना और सैल्यूट के तरीके के बारे में भी सिखाया जा रहा है।

भाजपा प्रत्याशी को मिले वोटों से 6270 ज्यादा वोटरों के नाम कटे, मिले थे 58290 वोट

बलिया, एजेंसी। विधानसभा चुनाव के नतीजों पर गौर किया जाए तो प्रत्याशियों के जीत के अंतर से 12 गुना तक नाम एसआईआर में कटे हैं। विस क्षेत्र बैरिया में सबसे अधिक 64560 मतदाताओं के नाम कटे हैं। यह आंकड़ा भाजपा प्रत्याशी को मिले कुल वोटों से भी अधिक है। 2022 विस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी को कुल 58290 वोट मिले थे।विशेष पुनरीक्षण अभियान के बाद प्रशासन की तरफ से जारी मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया है। 10 अप्रैल को जारी मतदाता सूची में पिछले विधानसभा चुनाव की वोटर लिस्ट से 341777 वोटर कम हुए हैं। ऐसे में राजनीति दलों को आगामी विस चुनाव में नए सिरे से गुणा-गणित बैठाना होगी। दलों के लिए यह अब आसान काम नहीं होगा। मतदाता सूची से कटे नाम से अब सभी विधान सभा क्षेत्र का चुनावी समीकरण बदल जाएगा। राजनैतिक दलों को नए समीकरण के साथ मैदान में कसरत करनी पड़ेगी।बेल्थरारोड सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र में प्रत्याशियों के बीच जीत का अंतर मात्र 5514 मत का था। इनमें सुभासपा प्रत्याशी हंसूराम को 78995 और भाजपा प्रत्याशी छद्दू राम को 73481 मत मिले थे। इस विधान सभा में 43783 मतदाताओं के नाम कटे हैं।

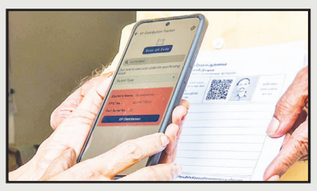

शादी से पहले रची साजिश, हिस्ट्रीशीटर बना दरोगा तो साथी बने सिपाही

गोरखपुर , एजेंसी। शादी के नाम पर राजस्थान से बुलाए गए परिवार को फर्जी पुलिस बताकर ठगी करने वाले गिरोह की करतूतें पुलिस की जांच में सामने आ गई हैं। पुलिस के मुताबिक, हिस्ट्रीशीटर अंकुर सिंह ने शादी तय होने के बाद ठगी की साजिश रची। वह शादी के दौरान खुद को दरोगा बताकर सामने आया, जबकि उसके साथी हेड कांस्टेबल, सिपाही बताकर परिवार को डरा-धमका रहे थे।पुलिस की जांच में पता चला कि ठगी की इस साजिश की रूपरेखा हिस्ट्रीशीटर अंकुर सिंह के घर पर तैयार की गई थी। हरियाणा निवासी बिचौलिया राजू शर्मा परिवार को राजस्थान से गोरखपुर लेकर आया। गिरोह में शामिल गुर्गे अलग-अलग भूमिकाओं में थे। अंकुर सिंह खुद को दरोगा बताकर पूरे ऑपरेशन का नेतृत्व कर रहा था, जबकि धीरेंद्र यादव उर्फ टुनटुन ने हेड कांस्टेबल की भूमिका निभाई। मुन्ना जायसवाल और नवमी शर्मा को सिपाही और गार्ड की भूमिका दी गई थी। रवि चौधरी को दुल्हन का भाई और शैला देवी को उसकी मौसी बनाकर पेश किया गया ताकि पीड़ित परिवार को किसी भी तरह का शक न हो।घटना के दौरान आरोपियों ने खुद को असली पुलिसकर्मी साबित करने के लिए पुलिस की तरह इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक के डंडे, फर्जी पहचान पत्र और अन्य सामान भी अपने साथ रखा था। इन्हीं के सहारे उन्होंने पीड़ित परिवार को बंधक बना लिया और धमकाते हुए कहा कि यदि विरोध किया तो जेल भेज दिया जाएगा। आरोपियों ने पीड़ित परिवार को मानसिक रूप से दबाव में लाने के लिए उनकी पत्नी को फोन कर एक लाख रुपये की रंगदारी की मांग भी की थी। डर के माहौल में परिवार से रुपये वसूलकर आरोपी मौके से भाग गए। सीओ कैंपियरगंज अनुराग सिंह ने बताया कि गिरोह बेहद शातिर तरीके से लोगों को शादी के नाम पर फंसाता था और फिर पुलिस का भय दिखाकर वसूली करता था। मामले की जांच अभी जारी है और अन्य कड़ियों को भी जोड़ा जा रहा है।

पकड़े गए आरोपी शातिर अपराधी :पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, हिस्ट्रीशीटर अंकुर सिंह कई गंभीर मामलों में पहले से वांछित और अभियुक्त रहा है। उसके खिलाफ हत्या की कोशिश, आर्म्स एक्ट, लूट, धोखाधड़ी, मारपीट और संगठित अपराध जैसे मामलों में कई मुकदमे दर्ज हैं। कैंट, गुलरिहा, गोरखनाथ, तिवारीपुर, चिलुआताल और अन्य थानों में उसके खिलाफ वर्ष 2016 से लेकर 2025 तक लगातार मामले दर्ज हैं। अंकुर सिंह पर दर्ज प्रमुख मामलों में हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, लूट, धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश समेत कई गंभीर धाराएं शामिल हैं। राजू शर्मा पर अपहरण, मारपीट और बीएनएस की धाराओं में मामले दर्ज हैं। धीरेन्द्र यादव उर्फ टुनटुन के खिलाफ आर्म्स एक्ट, हत्या की कोशिश और रंगदारी जैसे मामले दर्ज हैं। रवि चौधरी, मुन्ना जायसवाल और नवमी शर्मा भी संगठित गिरोह से जुड़े मामलों में पहले से नामजद रहे हैं।

छात्रों के खाने में कीड़े, पानी भी नहीं मिला साफ

मेरठ , एजेंसी। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के डॉ. आरके सिंह छात्रवास में खाने और पानी की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठे हैं। शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुए फोटो और वीडियो में खाने में कीड़े और टंकियों से गंदा पानी आता दिखा। यह स्थिति हॉस्टल में रहने वाले सैकड़ों छात्रों के स्वास्थ्य के लिए चिंताजनक है। छात्र नेता अक्षय बैंसला ने बताया कि विश्वविद्यालय हॉस्टल से पहले भी ऐसी गंदगी और खाने से संबंधित वीडियो वायरल होते रहे हैं। शिकायत के बाद विश्वविद्यालय प्रबंधन हरकत में आता है। वे अभियान चलाकर व्यवस्था सुधारने का दावा करते हैं लेकिन कुछ ही दिनों में हालात फिर से वैसी ही स्थिति में पहुंच जाते हैं। छात्र नेताओं का कहना है कि खाने और पानी जैसी बुनियादी चीजों में लापरवाही विश्वविद्यालय की छवि पर सीधा सवाल खड़ा करती है। यदि किसी छात्र की सेहत खराब होती है तो इसकी पूर्ण जिम्मेदारी हॉस्टल प्रबंधन की होगी।विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार का कहना है कि ऐसा कोई मामला उनके संज्ञान में नहीं है। उन्होंने वार्डन से बात करने और मामले की पूरी जानकारी लेने की बात कही। रजिस्ट्रार ने आश्वासन दिया कि यदि शिकायत सही पाई जाती है तो जांच कराकर उचित समाधान कराया जाएगा।

इंजीनियरिंग कॉलेजों में बनेगी स्मार्ट लैब

एआई, रोबोटिक्स जैसे अत्याधुनिक क्षेत्र की मिलेगी ट्रेनिंग

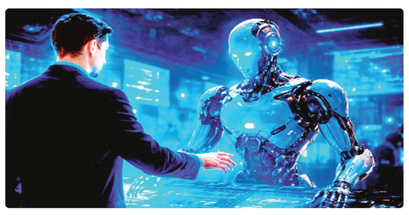

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में इंजीनियरिंग कॉलेजों में भी स्मार्ट लैब बनेगी। एआई, रोबोटिक्स जैसे अत्याधुनिक क्षेत्र की ट्रेनिंग मिलेगी। प्राविधिक शिक्षा विभाग ने इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी है। कॉलेज के शिक्षकों को भी अत्याधुनिक क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाएगा। यूपी में आईटीआई व पॉलीटेक्निक के बाद जल्द ही प्रदेश के राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेजों के छात्रों को भी अत्याधुनिक मशीनों के माध्यम से भौतिक प्रशिक्षण देने की व्यवस्था होगी। ताकि, उनको भी अत्याधुनिक क्षेत्र में ट्रेनिंग देकर रोजगार व स्वरोजगार दोनों के लिए तैयार किया जा सके। इसके लिए प्राविधिक शिक्षा विभाग टाटा समूह के साथ हाथ मिलाएगा। इसके लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इन लैब में छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स, मशीन लर्निंग, इंजीनियरिंग सिमुलेशन जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों का भौतिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इतना ही नहीं कॉलेज के शिक्षकों को भी इन अत्याधुनिक क्षेत्र में प्रशिक्षित किया जाएगा ताकि वे छात्रों को बेहतर जानकारी दे सकें। इन सबके माध्यम से युवाओं को राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों को सामान्य ब्रांच की तरफ भी आकर्षित किया जा सकेगा। अभी बजट आदि कारणों से राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेजों, खासकर नए खुले में अपेक्षाकृत बेहतर लैब नहीं है। इसकी वजह से यहां छात्रों का रुझान कम हो रहा है।

स्पेस टेक्नोलॉजी व साइबर तकनीकी के केंद्र : प्राविधिक शिक्षा विभाग के साथ-साथ एकेटीयू की ओर से भी अपने छात्रों के साथ ही राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेजों के छात्रों के लिए सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं।

विवि की ओर से इंजीनियरिंग छात्रों को नई तकनीकी की जानकारी देने के लिए एआई में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, स्पेस टेक्नोलॉजी में एक्सीलेंस सेंटर, एप्पल का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, साइबर फोरेंसिक इंवेस्टिगेशन टेक्नोलॉजी में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस व सेमीकंडक्टर से जुड़ी जानकारी देने के लिए केंद्र स्थापित किया जा रहा है। इसका लाभ घटक संस्थानों व राजकीय कॉलेज के छात्रों को भी मिलेगा।

बेहतर पठन-पाठन का प्रयास किया जा रहा : प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने बताया कि पॉलीटेक्निक व इंजीनियरिंग के छात्रों को हरसंभव अत्याधुनिक सुविधाएं देने व बेहतर पठन-पाठन का प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत जल्द ही राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेजों में टाटा की ओर से अत्याधुनिक संसाधनों से युक्त लैब स्थापित की जाएंगी। इसके लिए औपचारिकता पूरी की जा रही है।

भारत टास्क फोर्स...एआई आधारित अनुसंधान को मिलेगा बढ़ावा, नवाचार को गति देने की पहल

वाराणसी, एजेंसी। बीएचयू में स्वास्थ्य, कृषि, प्रौद्योगिकी, पर्यावरणीय स्थिरता सहित प्रमुख क्षेत्रों में अंतर्विषयी, एआई-सक्षम अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारत-टास्क फोर्स (बीएचयू होलिस्टिक एआई-ड्रिवन रिसर्च फॉर एग्रीकल्चर, टेक्नोलॉजी एंड हेल्थ टास्क फोर्स) का गठन किया गया है। अंतर्विषयी अनुसंधान के माध्यम से स्वदेशी एआई नवाचार को गति देने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि यह टास्क फोर्स विश्वविद्यालय को स्वदेशी, नैतिक तथा साक्ष्य-आधारित कृत्रिम बुद्धिमत्ता समाधानों के क्षेत्र में अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित करने की दिशा में कार्य करेगी। टास्क फोर्स का एक प्रमुख दायित्व एकीकृत एआई प्रोटोकॉल का विकास है।

मोबाइल-ई मेल हैक होने से परेशान युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

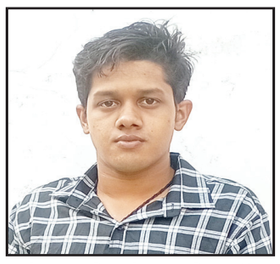

अलीगढ़ , एजेंसी। कोल क्षेत्र के भाजपा विधायक अनिल पाराशर के कार्यालय प्रभारी वीरेंद्र सिंह के दत्तक पुत्र ललित ने शनिवार तड़के छर्रा अड्डा पुल से कुछ आगे ट्रेन के सामने कूदकर जान दे दी। यह कदम उसने खुद के मोबाइल व ईमेल आईडी हैक होने से परेशान होने पर उठाया है। वह पिछले तीन दिन से मानसिक दबाव में था। अपने मित्रों परिचितों से भी इसकी चर्चा कर चुका था। उसकी जेब से दो पेज का सुसाइड नोट मिला है।क्वार्सी की शिव लोक कॉलोनी के वीरेंद्र सिंह अनिल पाराशर के कार्यालय प्रभारी हैं। खुद की संतान न होने पर उन्होंने भटौला हरदुआगंज के अपने साले के पुत्र ललित (27) को बाल्यकाल में ही गोद ले लिया था। ललित उनके पास ही रहकर पला बढ़ा। स्नातक करने के बाद परिवार में उसकी शादी की बातचीत चलने लगी थी। शनिवार सुबह करीब साढ़े तीन बजे ललित अपने शिव लोक कॉलोनी स्थित घर से पैदल पैदल छर्रा अड्डा पुल से कुछ आगे डोरी नगर के पास पहुंच गया। वहां उसने 4.18 बजे अप लाइन की वैशाली एक्सप्रेस के आगे कूदकर जान दे दी।डोरी नगर रेलवे फाटक के गेटमैन ने इसकी सूचना गांधीपार्क पुलिस को दी। इस पर कुछ देर के लिए ट्रेन को भी रोका गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कपड़ों की तलाशी लेकर उसकी पहचान की। साथ में दो पेज का अंग्रेजी में लिखा सुसाइड नोट भी मिला। पहचान होने पर वीरेंद्र सिंह के साथ विधायक अनिल पाराशर आदि वहां पहुंच गए।इंस्पेक्टर गांधीपार्क विजय सिंह के अनुसार युवक कुछ दिन से हैकिंग की वजह से परेशान था। यह बात सुसाइड नोट में भी स्पष्ट हुई है। परिजनों ने अभी तहरीर नहीं दी है। तहरीर मिलने पर जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

इस बात से परेशान था युवक :परिजनों से पुलिस पूछताछ व सुसाइड नोट में उल्लेखित विवरण से स्पष्ट हुआ कि सात अप्रैल को अचानक से उसकी जीमेल आईडी का नाम बदल दिया गया और उसका अकाउंट भी हैक कर कोई अन्य व्यक्ति उसे ऑपरेट कर रहा था।अलग-अलग मोबाइल नंबरों से उसके फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप की पासकी डाउनलोड की गईं, जिससे उसे अपनी निजी जानकारी लीक होने का डर सता रहा था। उसने अंदेशा जताया कि हैकर उसकी निजी सामग्री को सार्वजनिक कर सकता है। इसी डर व तनाव में तीन दिन से परेशान युवक ने यह कदम उठा लिया। सुसाइड नोट में उल्लेखित सात मोबाइल नंबर परिजनों ने गांधीपार्क पुलिस व साइबर थाना पुलिस को दिए हैं।

मित्र-परिचितों से मांगी मदद, नहीं मिली राहत :अनिल पाराशर ने बताया कि दो दिन पहले उसने उनके कार्यालय पर पहुंचकर काम करने वाले स्टाफ से इस हैकिंग के विषय में चर्चा की थी। अपने कुछ अन्य मित्रों को भी बताया था। काफी प्रयास के बाद भी उसे राहत नहीं मिली। उसे सलाह दी गई थी कि वह साइबर सेल जाकर मदद ले।

उससे पहले उसने यह कदम उठा लिया। दोपहर में पोस्टमार्टम के बाद उसका शव गांव भटौला ले जाया गया।

ज्योतिबा फुले ने शिक्षा से दी समाज को नई दिशा: प्रो. मित्तल

लखनऊ, एजेंसी। महात्मा ज्योतिबा फुले ने समाज को शिक्षा की एक नई दिशा देने का काम किया था। फुले का तर्क था कि शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि लोगों को जागरूक करने और समाज में परिवर्तन लाने का सबसे सशक्त साधन है। ये बातें बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल ने कहीं।मौका था शनिवार को विश्वविद्यालय के चार दिवसीय स्थापना दिवस समारोह का। समारोह के पहले दिन की शुरुआत महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के साथ हुई। मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. संजय पासवान ने कहा कि समाज को बदलने के लिए सबसे पहले उसकी समस्याओं को गहराई से समझना जरूरी है। डॉ. भीमराव अंबेडकर ने भी महात्मा ज्योतिबा फुले को अपने चार प्रमुख गुरुओं में से एक माना था।

साइबर क्राइम का सीखा ककहरा, फिर डालते बैंक खातों में डाका, आवाज बदलने में माहिर हैं आरोपी

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में घाटमपुर के रठिगांव में साइबर क्राइम की पाठशाला लगभग एक दशक से चल रही थी। साइबर ठगी के 20 आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद रठिगांव और उसके इर्द-गिर्द के गांवों के ग्रामीणों की गतिविधियां फिलहाल पुलिस की निगरानी में हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों को लेकर ग्रामीणों का कहना है कि सभी अपने-अपने घर में कहकर निकलते थे कि भैंस चराने या किसानी के काम से जा रहे हैं।ग्रामीणों के अनुसार उन्हें नहीं पता था कि ये लोग उनके बीच में रहकर लोगों के खून-पसीने की कमाई धोखे से हड़पने का काम करते थे। रठिगांव और उसके आसपास के इलाके में पुलिस के छापे, गिरफ्तारी और सर्च ऑपरेशन से ज्यादातर ग्रामीण सहज नहीं हैं। गिरफ्तार 20 आरोपियों के संबंध में संवाद न्यूज एजेंसी के प्रतिनिधि ने शनिवार को ग्रामीणों से बातचीत की।

ग्रामीणों के बीच सामान्य होकर रहते थे :पहले तो कोई बात करने को ही तैयार नहीं हुआ। बाद में पहचान छिपाने की शर्त पर ग्रामीणों ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी योजनाबद्ध तरीके से साइबर ठगी कर रहे थे। वे सभी ग्रामीणों के बीच ही इतना सामान्य होकर रहते थे कि उन्हें लेकर कभी किसी को शंका न हो। सभी वर्षों से इकट्ठा भी ऐसी जगह पर होते थे कि लगता था कि समय काटने के लिए साथ बैठे हैं और मोबाइल फोन पर लूडो या फिर ताश वगैरह खेल रहे हैं।

धीरे-धीरे आसपास के गांवों के लड़के भी जुड़ गए :

पुलिस ने जब उन्हें गिरफ्तार किया तब पता लगा कि वह समय काटने के लिए नहीं मिलते थे बल्कि लोगों के बैंक खाते में डाका डालते थे। वहीं, रेउना थाना प्रभारी अनुज राजपूत ने कहा कि रठिगांव से शुरू हुए इस खेल से धीरे-धीरे आसपास के गांवों के लड़के भी जुड़ गए थे। सभी गांव में सामान्य ढंग से रहते थे और खेतों की ओर जाकर साइबर ठगी करते थे।

आरोपी आवाज बदलकर बात करने में हैं माहिर :

आरोपियों में कई ऐसे भी हैं, जो आवाज बदल-बदल कर बात करने में माहिर हैं। कभी लड़की की आवाज में तो कभी खुद को बड़ा पुलिस अधिकारी बताकर लोगों को फोन से गुमराह कर रुपये ऐंठने का काम करते थे। नए साथियों को भी वो अपने तौर-तरीकों से प्रशिक्षित करते थे। आरोपी अपने खाते में आए पैसे को गांव या घर में सीधे खर्च नहीं करते थे। उस पैसे को वह प्लॉट वगैरह खरीदने और दूसरे शहरों में जाकर अय्याशी करने में करते थे।

साइबर ठगी के पांच आरोपियों की संपत्ति मिली आय से ज्यादा :साइबर अपराध होने की आशंका पर पुलिस सतर्क है। शनिवार शाम कई थानों की फोर्स ने लीलादास का पुरवा क्षेत्र में रूट मार्च कर संभावितों के घरों में दबिश डाली। जेल गए आरोपियों की संपत्तियों की जांच की जिसमें से कन्हईपुर बसौरा के सर्वेश, दीपक, दिलीप और लक्ष्मणपुर के विजय, मधुर की संपत्ति आय से अधिक मिली है। पुलिस ने जांच शुरू की है।

लेजर लाइट में गूंजा शौर्य, जांबाजों की वीरगाथा से सजी युद्ध स्मृतिका

लखनऊ , एजेंसी। छावनी स्थित युद्ध स्मृतिका में तैयार लेजर लाइट एवं साउंड शो के जरिये अब दर्शकों को भारतीय सेना के शौर्य, इतिहास और आधुनिक ताकत की झलक देखने को मिलेगी। शो का उद्घाटन शनिवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व मध्य कमान के सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता उपस्थित रहे। मध्य कमान के जनसंपर्क अधिकारी शांतनु प्रताप सिंह ने बताया कि यह शो लगभग 30 मिनट का है। उन्नत प्रोजेक्शन, साउंड और लाइटिंग तकनीकों के माध्यम से सेना के इतिहास, उसकी ऑपरेशनल उपलब्धियों और राष्ट्र-निर्माण में उसके योगदान को बयां करता है। शो सशस्त्र बलों की वीरता और विरासत को समर्पित है। इसकी कहानी में भारत के प्रमुख युद्धों और ऑपरेशनों, मध्य कमान की ऐतिहासिक भूमिका, अवध क्षेत्र की वीरता और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना के अनुरूप सैन्य आधुनिकीकरण को शामिल किया गया है। शो प्रतिदिन शाम को दर्शकों के लिए चलाया जाएगा। इसे मध्य कमान व उप्र राज्य पर्यटन विकास निगम की ओर से तैयार किया गया है। शो में रक्षामंत्री के सामने भारत के प्रमुख युद्धों 1947-48, 1962, 1965 और 1971 के संघर्षों के प्रमुख ऑपरेशनल पहलुओं के साथ ऑपरेशन मेघदूत और ऑपरेशन विजय के दौरान दिए गए विशिष्ट योगदानों को रेखांकित किया गया है। इसके अतिरिक्त अवध क्षेत्र के परमवीर चक्र विजेताओं की असाधारण वीरता को भी उजागर किया गया है। शो में उभरते खतरों और युद्ध की बदलती गतिशीलता के जवाब में भारतीय सेना की ओर से किए जा रहे निरंतर आधुनिकीकरण और रूपांतरण को भी शामिल किया गया है। युद्ध स्मृतिका परिसर में भी व्यापक स्तर पर अपग्रेडेशन कार्य किए जा रहे हैं। अत्याधुनिक प्रोजेक्टर और स्पीकर के अलावा, नई पीढ़ी के सैन्य उपकरणों और युद्ध में जीती गई चीजों (वॉर ट्रॉफी) को दिखाने वाली भित्ति चित्र (म्यूरल) भी लगाए गए हैं। एम्फीथिएटर भी बनाया गया है।

यूपी में 82 लाख किसानों ने नहीं कराई फार्मर रजिस्ट्री, अब एमएसपी पर गेहूं बेचने का संकट

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में 82 लाख किसानों ने फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराई। इस कारण उनके सामने एमएसपी पर गेहूं बेचने का संकट है। सम्मान निधि समेत कई योजनाओं के लाभ से भी वंचित होंगे। उत्तर प्रदेश के लगभग 81.95 लाख किसानों ने अभी तक फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराई है। ऐसे में ये किसान न तो न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं बेच पाएंगे। न ही उन्हें किसान सम्मान निधि के साथ मत्स्य व पशुपालन समेत विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाएगा।लखनऊ जिले के भी 72,128 किसानों की रजिस्ट्री नहीं हुई है। बता दें कि प्रदेश के कुल 75 जिलों में 2,88,70,495 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री होनी है, जिनमें से सिर्फ 2,06,75,387 किसानों की ही रजिस्ट्री हो सकी है। यह करीब 80.32 फीसदी है। नतीजतन शेष किसानों के सामने एमएसपी पर गेहूं बेचने का संकट खड़ा हो गया है।

फार्मर रजिस्ट्री में रामपुर अव्वल, सुल्तानपुर फिसड्डी :रामपुर जिला फार्मर रजिस्ट्री में प्रदेश में अव्वल है। जिले के 3,07,005 में से 2,53,909 किसान रजिस्ट्री करा चुके हैं। यह लक्ष्य का 99.58 फीसदी है। मुजफ्फरनगर में 97.73, गाजियाबाद में 94.72, एटा में 93.28 और कासगंज में 92.67 फीसदी किसान रजिस्ट्री करा क्रमशः प्रदेश में दूसरे, तीसरे, चौथे व पांचवें स्थान पर हैं। वहीं, लखनऊ 61वें स्थान पर है। यहां 2,46,043 में से 1,73,915 किसान ही रजिस्ट्री कराए हैं। यह लक्ष्य का 74.83 फीसदी है। वहीं, सुल्तानपुर के किसान 65.70 फीसदी के साथ फिसड्डी है। फार्मर आईडी में पिछड़े अन्य जिलों में कानपुर देहात, देवरिया, गोरखपुर और कौशाम्बी शामिल है। इन जिलों में 65 से 70 प्रतिशत किसानों ने ही रजिस्ट्री कराई है।

बिना रजिस्ट्री कृषि योजनाओं के लाभ नहीं :

प्रदेश सरकार ने किसान पहचान पत्र (फार्मर आईडी) को सभी कृषि व सहयोगी विभागों की लाभार्थी योजनाओं के लिए अनिवार्य कर दिया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि भविष्य में पीएम किसान सम्मान निधि की किस्तें भी सिर्फ उन्हीं किसानों को मिलेंगी, जिनकी फार्मर आईडी बनी होगी। उर्वरक, बीज, कीटनाशक वितरण और लाभार्थी चयन में इसे अनिवार्य किया गया है। एमएसपी पर गेहूं, दलहन, सरसों आदि की बिक्री के लिए यह आईडी जरूरी होगा।

इस तरह कराएं फार्मर रजिस्ट्री :

किसान आधार कार्ड, खतौनी की प्रति और आधार से लिंक मोबाइल फोन नंबर के साथ जनसेवा केंद्र, कृषि विभाग के कर्मचारी या लेखपाल से संपर्क कर रजिस्ट्री करा सकते हैं। किसान खुद भी अधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकता है। इसके लिए किसानों को अपने सभी खेतों, गाटा और खतौनियों को रजिस्ट्री से जोड़ना होगा।

देश में केवल एक तिहाई बच्चे ही एरोबिक फिटनेस मानकों पर खरे उतरे, एक्सपर्ट्स ने जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर के 112 शहरों के 333 स्कूलों में 1.4 लाख से ज्यादा बच्चों पर किए गए सर्वे में चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। रिपोर्ट के मुताबित, केवल 34 प्रतिशत भारतीय स्कूली बच्चे ही एरोबिक फिटनेस के मानकों पर खरे उतर पाए। यह सभी फिटनेस संकेतकों में सबसे कमजोर प्रदर्शन है। ये नतीजे कमजोर कार्डियोवैस्कुलर सहनशक्ति, कमजोर मांसपेशियों की ताकत और अलग-अलग तरह के स्कूलों के बीच असमानताओं को उजागर करते हैं, जबकि ष्टश्र1द्बस्र-19 बाद फिटनेस का कुल स्तर धीरे-धीरे सुधर रहा है। ये रिपोर्ट एक मिली-जुली तस्वीर पेश करती है। जहां लचीलापन और ताकत के नतीजे काफी अच्छे हैं, वहीं फिटनेस का कुल प्रोफाइल अभी भी असमान बना हुआ है। एरोबिक क्षमता सबसे ज्यादा चिंताजनक कमजोरी है, जिसमें सिर्फ 34% बच्चे ही स्वस्थ

मानकों को पूरा करते हैं। यह कम कार्डियोवैस्कुलर फिटनेस और शारीरिक गतिविधि को लगातार बनाए रखने की सीमित क्षमता को दर्शाता है। बैरिएट्रिक सर्जन डॉ. संजय बोरुडे ने कहा, 'एरोबिक क्षमताओं में बच्चों के पीछे रहने का मुख्य कारण बढ़ता मोटापा है, जो हर दिन और आम होता जा रहा है।' सहनशक्ति के अलावा, ऊपरी और निचले शरीर की ताकत सभी उम्र के समूहों और क्षेत्रों में लगातार कमजोर बनी हुई है। निचले शरीर की ताकत विशेष रूप से चिंता का विषय है, जो संतुलन, गतिशीलता और कुल शारीरिक स्थिति से जुड़ी समस्याओं का संकेत देती है।

शारीरिक व्यायाम दिनचर्या का जरूरी हिस्सा होना चहिए: सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल में पुनर्वास और खेल चिकित्सा के निदेशक डॉ. आशीष कॉन्ट्रैक्टर ने इन रुझानों को पर्यावरणीय और व्यवहारिक कारकों से जोड़ा। उन्होंने कहा, 'बचपन के दौरान, शारीरिक गतिविधि की क्षमता सबसे ज्यादा होती है, लेकिन आज सबसे बड़ी बाधाओं में से एक खुली जगहों और खेल सुविधाओं तक पहुंच की कमी है।' उन्होंने कहा कि पारिवारिक और संस्थागत, दोनों ही स्तरों पर, शारीरिक व्यायाम को बाद में सोचने वाली चीज के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। यह बच्चे की रोजमर्रा की दिनचर्या का एक जरूरी हिस्सा होना चाहिए। इसके विपरीत, लचीलापन (70%) और ताकत (87%) के नतीजे बेहतर हैं, जिससे पता चलता है कि फिटनेस के कुछ पहलुओं को बनाए रखा जा रहा है। ये नतीजे स्पोर्ट्स विलेज द्वारा जारी 14वें वार्षिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण का हिस्सा हैं।

सरकारी स्कूल के छात्रों का बेहतर प्रदर्शन: सरकारी स्कूलों के छात्र फिटनेस के सात में से पांच मानकों में निजी स्कूलों के छात्रों से बेहतर प्रदर्शन करते हैं। यह अंतर एरोबिक और एनारोबिक क्षमता जैसे सहनशक्ति के मानकों में सबसे ज्यादा साफ दिखता है, जिससे पता चलता है कि सरकारी स्कूलों के बच्चों में रोजाना शारीरिक गतिविधि ज्यादा होती है। इसका संबंध शायद आजादी से खेलने और घूमने-फिरने के ज्यादा मौकों से हो सकता है। हालांकि, दोनों ही तरह के स्कूलों में निचले शरीर की ताकत कमजोर बनी हुई है, जो ढांचागत कमियों का संकेत है। खान-पान भी इसमें एक भूमिका निभा सकता है।

दोस्त बनाकर लूटता रहा आबरू, दुष्कर्म का वीडियो रिकॉर्ड कर बनाया मतांतरण का दबाव

शादी के प्रस्ताव पर खुली पोल

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद में लोनी के बॉर्डर थाना क्षेत्र में नाम बदलकर दिल्ली की रहने वाली युवती से दोस्ती के बाद दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। युवती का आरोप है कि आरोपी ने उन पर मतांतरण करने का भी दबाव बनाया। पुलिस ने मामला संज्ञान में न होने की बात कही है। युवती ने बताया कि उनकी परिचित समुदाय विशेष की लड़की ने युवक से उनको मिलवाया था। युवक ने अपना हिंमाशु नाम बताया था। इसके बाद दोनों एक-दूसरे से मिलते रहे और दोस्ती बढ़ती चली गई। बताया कि एक दिन उसने अपनी बहन से मिलवाने का झांसा देकर लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की कृष्णा विहार कॉलोनी स्थित होटल में बुला लिया, जहां पर कोल्ड ड्रिंक्स में नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म कर वीडियो बना लिया। युवती के अनुसार, होश में आने पर आरोपी ने उनसे कहा कि अगर किसी से शिकायत की तो सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल कर दूंगा। आरोपी डराकर काफी समय से शारीरिक संबंध बनाता चला आ रहा है। कुछ दिन पूर्व इंद्रापुरी कॉलोनी स्थित होटल में उसने कॉल कर बुलाया, जहां पर उन्होंने युवक के सामने शादी का प्रस्ताव रखा।

नोएडा सेक्टर-18 मेट्रो के बाहर कदम रखते ही जाम, जिम्मेदारों की लापरवाही से परेशान हो रहे लोग

नोएडा, एजेंसी। यह आधुनिक नोएडा है-चौड़ी सड़कें, मेट्रो की तेज रफ्तार और स्मार्ट सिटी का दावा, लेकिन जैसे ही सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन से बाहर निकलते हैं, हकीकत एकदम अलग दिखाई देती है। मेट्रो से उतरते ही ऐसा लगता है मानो शहर की रफ्तार, सफाई और व्यवस्था-तीनों यहीं आकर थम जाती हों। सीढ़ियों की ओर बढ़ते ही दीवारों और कोनों में पान की पिक के लाल निशान साफ नजर आते हैं। कई जगह दाग सूखकर परत बन चुके हैं। सीढ़ियों के किनारे प्लास्टिक गिलास, बोतलें और खाने के रैपर जैसे कूड़े के छोटे-छोटे ढेर पड़े हैं, जिनके बीच से लोग नाक सिकोड़ते हुए जल्दी-जल्दी निकलते हैं। सीढ़ियों से

नीचे उतरते ही आ जाता है रेहड़ी-पटरी, ठेले वालों का अतक्रिमण। स्टेशन के बाहर निकलते ही ऑटो और ई-रिक्शा की लंबी कतार मिलती है। कई चालक आधी सड़क घेरकर खड़े रहते हैं, जबकि कुछ बीच रास्ते में ही सवारी बैठाने लगते हैं। इससे पीछे से आने वाले वाहनों की रफ्तार अचानक थम जाती है और कुछ ही मिनटों में जाम लग जाता है।

एप टैक्सी और निजी वाहनों का दबाव: स्टेशन के बाहर कार और बाइक चालक अपने परिचितों को लेने के लिए गेट के सामने ही वाहन खड़े कर देते हैं। ओला-उबर जैसी ऐप आधारित टैक्सियां भी यहीं रुककर सवारी का इंतजार करती हैं। नतीजा-पहले से संकरी सड़क और बाधित हो जाती है। सड़क किनारे कूड़े के ढेर और उनसे उठती बदबू माहौल को और खराब करती है। पास में ही चाय-नाश्ते की रेहड़ियां, कपड़ो से लेकर बर्तन तक की सैकड़ों दुकानें करीब 130 मीटर चौड़ी सड़क में 70 मीटर तक की आधी सड़क पर दुकानदारों ने अतिक्रमण कर रखा है। हालात तो इतने बदतर है कि यहां से एक जगह से चलकर दूसरी जगह जाना मानो किसी जंग से कम नही। और तो और फुटपाथ तक पर कुछ दुकानदारों ने अपना अधिकार जमा रखा है ।

फरीदाबाद में आग का तांडव: बुलेट जलकर राख, प्लास्टिक दुकान में 10 लाख का नुकसान

फरीदाबाद, एजेंसी। ओल्ड फरीदाबाद फ्लाईओवर पर हाईवे किनारे खड़े ऑटो से टकराने के बाद बुलेट मोटरसाइकिल में आग लग गई। हादसे में बाइक सवार व्यक्ति बाल-बाल बच गया, जबकि मोटरसाइकिल पूरी तरह जलकर खाक हो गई। पुलिस के अनुसार डबुआ निवासी राजकुमार उम्र 60 साल किसी काम से बदरपुर बॉर्डर गए थे। लौटते समय ओल्ड फरीदाबाद फ्लाईओवर पर उनकी बुलेट हाईवे किनारे खड़े ऑटो से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि मोटरसाइकिल काफी दूर तक सड़क पर घिसटती चली गई और उसमें आग लग गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल राजकुमार को बादशाह खान नागरिक अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। फरीदाबाद। जवाहर कालोनी स्थित प्रेस कॉलोनी में रविवार को एक प्लास्टिक सामान की दुकान में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी भीषण थी

कि दुकान के अंदर रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। जानकारी के अनुसार दुकान जवाहर कॉलोनी निवासी महेंद्र की बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची।

दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक आग से करीब 10 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है, हालांकि शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है।

बच्ची के पेट में सैकड़ों कीड़े घूमते देख दंग रह गए डॉक्टर, ऑपरेशन कर बचाई जान

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान (जिम्स) में एक चार वर्षीय बच्ची के आंतों में रुकावट का सफल ऑपरेशन किया गया। बच्ची के पेट में एस्केरिस लम्ब्रीकोइडीज (राउंडवर्म) का गंभीर संक्रमण हो चुका था। प्रोफेसर व डॉ. मोहित माथुर ने बताया कि सामान्य दिखने वाले कीड़े भी संक्रमण के गंभीर ले सकते हैं और इससे जान पर बन आती है। इसलिए सभी को ऐसे मामलों में बिल्कुल लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। डॉ. मोहित ने बताया कि बच्चों में कीड़ों का संक्रमण बहुत आम है, खासकर जहां साफ-सफाई और स्वच्छता की कमी होती है। गंदे हाथ, दूषित खाना या पानी के जरिए कीड़ों के अंडे शरीर में पहुंच जाते हैं और आंतों में बढ़ने लगते हैं। इससे पेट दर्द, उल्टी, भूख कम लगना, कमजोरी और बच्चों की बढ़त रुक सकती है। गंभीर मामलों में आंतों में रुकावट भी हो सकती है।

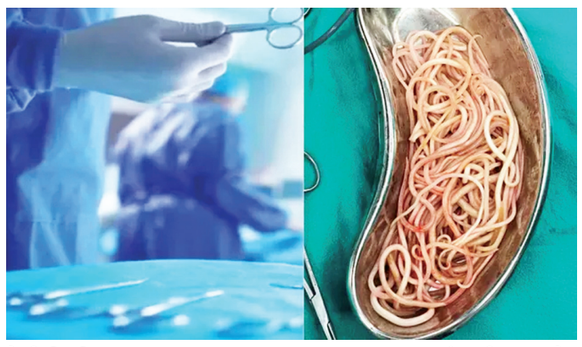

ऐसी स्थिति एक साधारण संक्रमण को सर्जिकल इमरजेंसी में बदल देती है। उन्होंने बताया कि यह चिंता का विषय इसलिए है क्योंकि यह बच्चों की वृद्धि और पोषण को प्रभावित करता है। गंभीर जटिलताएं जैसे आंतों में रुकावट पैदा कर सकता है। सही स्वच्छता और देखभाल से इसे पूरी तरह रोका जा सकता है। डॉ. मोहित ने बताया कि कीड़ों का संक्रमण आम है, लेकिन सही जानकारी और स्वच्छता से पूरी तरह बचा जा सकता है।

झसाफ-सफाई की आदतें, सुरक्षित वातावरण और नियमित डीवार्मिंग ये तीन सरल कदम हमें ऐसे खतरनाक हालात से बचा सकते हैं। एस्केरिस लम्ब्रीकोइडीज (राउंडवर्म) एक आम आंतों का कीड़ा है, जो बच्चों में ज्यादा पाया जाता है। यह गंदे हाथ, दूषित पानी या बिना धोए फल-सब्जियां खाने से शरीर में पहुंचता है। ज्यादा कीड़े होने पर ये आंतों में गुच्छा बनाकर ब्लाकेज कर सकते हैं। इससे ऑपरेशन तक की जरूरत पड़ सकती है।

फरीदाबाद में करोड़ों के बजट के बावजूद स्ट्रीट लाइटें खराब, अंधेरे में सफर करने को मजबूर 50 हजार से ज्यादा लोग

फरीदाबाद, एजेंसी। नगर निगम सदन की बैठक में स्ट्रीट लाइटों को निगम की ओर से 50 करोड़ का बजट पेश किया गया। इसके साथ ही रखरखाव को लेकर 13 करोड़ का प्रस्ताव रखा गया था, जबकि यह बजट 2025-26 में 10 करोड़ रुपये था। इसके बावजूद शहर की स्ट्रीट लाइट बंद पड़ी हैं। स्ट्रीट लाइटों की बदहाल स्थिति को देखते हुए निगम के इस प्रस्ताव पर पार्षदों और विधायकों द्वारा सवाल भी खड़े किए गए। उनका कहना था कि अधिकतर स्ट्रीट लाइटे खराब रहती है। ऐसे में यह बजट निगम की ओर से कहा खर्च किया जाता है।

निगम के दावों की पोल सड़कों पर पसरा अंधेरा भी खोल रहा है। शहर में अलग-अलग जगहों पर 200 से अधिक स्ट्रीट लाइट खराब है। इस कारण शहर में प्रतिदिन निकलने वाले 50 हजार से

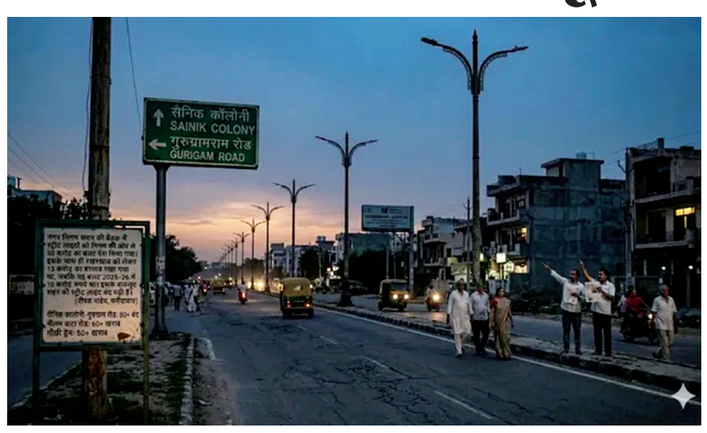

अधिक वाहन चालक अंधेरे में ही सफर करने को मजबूर हैं। सैनिक कालोनी से गुरुग्राम रोड पर जाने वाली सड़क पर और अनखीर चौक से सैनिक कालोनी मोड़ वाले मार्ग पर 80 से अधिक स्ट्रीट लाइट बंद पड़ी है। कालोनी में रहने वाले राजेश पटेल, दिलीप भारती ने बताया कि लाइटें पिछले काफी समय से बंद पड़ी है। निगम के वार्ड आफिस में भी कई बार लाइटों को लेकर शिकायत की गई है। सैनिक कालोनी रोड से होकर लोग गुरुग्राम जाते हैं। सेवानिवृत कैप्टन दिलीप भारती के अनुसार इस सड़क पर काफी हादसे भी हो चुके हैं।

नीलम बाटा रोड पर भी पसरा रहता है अंधेरा: नीलम बाटा रोड पर दोनों तरफ 60 से अधिक स्ट्रीट खराब है। इस सड़क पर 20 से अधिक होटल और रेस्टोरेंट बने हुए है। इसके साथ ही अस्पताल भी है। नेशनल हाइवे से आने वाले लोग एनआइटी की कालोनियों में जाने के लिए इसी सड़क का प्रयोग करते हैं। इसके साथ ही होटल और रेस्टोरेंट में आने वाले लोग अंधेरे से होकर गुजरते हैं। गौंछी ड्रेन के किनारे मछली मार्केट से लेकर सेक्टर-52 तक 50 से अधिक स्ट्रीट लाइट खराब है। पिछले साल सितंबर में अंधेरे की वजह से कार में सवार तीन युवक ड्रेन में गिर गए थे। अंधेरा होने की वजह से बचाव कार्य में भी लोगों को काफी परेशानी हुई। तीन युवकों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। घटना के बाद मेयर प्रवीण बतरा जोशी ने निरीक्षण करके स्ट्रीट लाइट सही करवाने के आदेश दिए थे।स्ट्रीट पिछले काफी समय से बंद पड़ी है। सैनिक कालोनी वाली सड़क एचएसवीपी के अधीन आती है। कार्यकारी अभियंता को इस बारे में शिकायत दी गई है। अंधेरे की वजह से कोई भी हादसा हो सकता है। इस बारे में वरिष्ठ अधिकारी संज्ञान लें। स्ट्रीट लाइटों को लेकर पहले भी शिकायत आई थी। संबंधित कार्यकारी अभियंता को लाइटें ठीक करने के लिए कहा गया है। उम्मीद है कि एक या दो दिन के भीतर स्ट्रीट लाइट सही हो जाएगी।

गुरुग्राम में दमकलकर्मियों की हड़ताल चौथे दिन भी जारी, आखिर क्या हैं उनकी 22 मांगें

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम में अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों की हड़ताल शनिवार को चौथे दिन भी जारी रही। सेक्टर-29 स्थित दमकल केंद्र के बाहर सुबह से ही कर्मचारी एकत्र होकर धरने पर बैठे रहे और नारेबाजी की। कर्मचारियों ने स्पष्ट कहा कि यदि उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। एक हड़ताली कर्मचारी ने बताया कि लगातार चार दिन से ड्यूटी से दूर रहना उनके लिए आसान नहीं है, लेकिन मजबूरी में यह कदम उठाना पड़ रहा है। उनका कहना है कि फरीदाबाद अग्निकांड में जान गंवाने वाले साथियों के परिवारों को अभी तक संतोषजनक सहायता नहीं मिली है, जिससे विभाग के कर्मचारियों में भारी रोष है। हम अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की सुरक्षा करते हैं, लेकिन जब हमारे अपने साथी हादसे का शिकार होते हैं तो सरकार की ओर से ठोस सहयोग नहीं मिलता। कर्मचारियों ने मांग दोहराई कि मृतक दमकलकर्मियों के आश्रितों को एक-एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को पक्की नौकरी दी जाए। इसके साथ ही वेतन विसंगतियों को दूर करने, समान कार्य के लिए समान वेतन और जोखिम भत्ता लागू करने सहित 22 मांगों को जल्द पूरा करने की मांग भी उठाई गई। उधर, प्रशासन ने हड़ताल के चलते आपातकालीन सेवाएं प्रभावित न हों, इसके लिए वैकल्पिक व्यवस्था लागू कर रखी है। विभागीय मुख्यालय के निर्देश पर रोडवेज के 51 चालकों को अस्थायी रूप से तैनात किया गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में राहत कार्य प्रभावित न हो। कर्मचारी नेताओं ने बताया कि यदि सरकार के साथ जल्द कोई सकारात्मक वार्ता नहीं होती है तो आंदोलन को अनिश्चितकालीन किया जा सकता है।

गुरुग्राम में गर्मियों के दौरान नहीं होगा पेयजल संकट, सप्लाई नेटवर्क पर निगम खर्च करेगा 38 करोड़ रुपये

गुरुग्राम, एजेंसी। गर्मी के दिनों में पेयजल संकट खत्म करने के लिए नगर निगम ने तैयारी कर ली है। पानी की सप्लाई, बूस्टिंग स्टेशन, ट्यूबवेल और डिस्ट्रीब्यूशन पाइपलाइन के संचालन व रखरखाव का जिम्मा निजी एजेंसियों को सौंपा जाएगा और इस पर 38 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। दो साल के लिए रखरखाव एजेंसिसों को काम सौंपने की तैयारी की जा रही है। वार्ड 11, 14, 15 और 18 के लिए 9.3 करोड़ रुपये खर्च होंगे। वार्ड 1, 12 और 13 में 7.9 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा वार्ड 9, 10, 16 और 17 में 6.9 करोड़, डिवीजन 4ए के तहत वार्ड 20, 21 और 22 में 5.9 करोड़ रुपये की लागत आएगी। वहीं बूस्टिंग स्टेशनों और अन्य क्षेत्रों के लिए भी अलग से करोड़ों रुपये के टेंडर प्रस्तावित हैं। नगर निगम के कार्यकारी अभियंता संदीप सिहाग ने बताया कि एजेंसियों को लंबी अवधि का काम सौंपने का फायदा मिलेगा। इससे पेयजल व्यवस्था सुधरेगी। बता दें कि गर्मी के दिनों में बोरवेल खराब होने, मोटर जलने सहित बूस्टिंग स्टेशनों पर तकनीकी खराबी के कारण रिहायशी क्षेत्रों में तीन से चार दिन तक भी पेयजल संकट हो जाता है। अचानक नगर निगम में भी पानी की किल्लत की परेशानी बढ़ जाती है। अधिकारियों का कहना है कि अब रखरखाव की पूरी जिम्मेदारी एजेंसी की होगी।

सुविधाओं के लिए तरस रहा गाजियाबाद का ये इलाका, वाटर एटीएम भी पड़ा बंद

गाजियाबाद, एजेंसी। आबादी बढ़ने के साथ लोनी बाजार का विस्तार तो हुआ लेकिन सुविधाएं नहीं बढ़ पाई। व्यापारियों का आरोप है कि पेयजल से लेकर शौचालय तक की सुविधा बाजार में नहीं है। इससे ग्राहकों को भी परेशानी उठानी पड़ती है। पार्किंग न होने से जाम की समस्या बाजार में रहती है। वहीं, उनका कहना है कि कई बार मांग करने के बाद भी बाजारों को जरूरी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। बाजार के पास से ही गाजियाबाद के लिए बसें चलती हैं। इसके अलावा आटो और ई-रिक्शा प्रतिदिन गाजियाबाद व दिल्ली के लिए चलते हैं। इससे कई बार जाम के कारण लोगों का पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। रेहड़ी-ठेली सड़क पर लगने से स्थिति और भी खराब हो जाती है। लोनी तिराहा, दिल्ली-सहारनपुर मार्ग व गाजियाबाद सड़क के दोनों किनारों पर ठेली व छोटी-बड़ी दुकानें संचालित हैं। ब्लाक के 22 ग्राम पंचायत व लोनी शहर समेत अन्य स्थानों के लोग इस बाजार में आते हैं, लेकिन यहां पेयजल और पिंक शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं।

बंद पड़ा है वाटर एटीएम: बाजार में तिराहे मंदिर के पास लगा वाटर एटीएम बंद पड़ा है। लोगों को पानी के लिए बोतलबंद पानी पर निर्भर रहना पड़ता है। महिलाओं के लिए पिंक शौचालय बाजार से दूर बना है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि अगर बाजार में स्थायी स्टैंड, पार्किंग, पेयजल की व्यवस्था कर दी जाएं तो लोगों को सुविधाएं भी होंगी। बाजार में सुविधाओं के अभाव में लोग परेशान हो रहे हैं। पेयजल, शौचालय लोगों की बुनियादी जरूरतें हैं। जिम्मेदारों को इस पर ध्यान देना चाहिए। - मुकेश, स्थानीय व्यापारी बुनियादी सुविधाएं देना सरकार की जिम्मेदारी है। साधन-संसाधन के बाद भी लोग परेशान हैं। खराब वाटर एटीएम को ठीक किया जाए। पार्किंग न होने से ग्राहक दुकान के सामने गाड़ी खड़ी कर देते हैं, जिससे आने जाने में परेशानी होती है। लोनी तिराहे के आसपास हमेशा आटो और ई-रिक्शा खड़े रहते हैं, जिससे जाम लगता है।